कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) - ____________

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ____________

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन............

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिरिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुरितका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 अशोक के रुम्मनदेई अभिलेख से ज्ञात होता है कि अशोक ने राज्य में लगने वाले कर को 1/6 से 1/8 कर दिया।

2 जयपुर का जंतर मंतर एक वेधशाला है जिसका निर्माण सवाई जयसिंह के द्वारा ज्योतिष विज्ञान के विकास हेतु कराया गया।

3 आधुनिक युग में प्रतिनिधि लोकतंत्र के दो स्वरूप है→
(i) अध्यक्षात्मक लोकतंत्र
(ii) संसदीय लोकतंत्र

4 इंटरनेट के दो लाभ निम्न प्रकार हैं→
i) इंटरनेट के माध्यम से हम संसार के किसी भी कोने में, जहाँ इंटरनेट है, संदेश भिजवा सकते है।
ii) इंटरनेट के माध्यम से हम वीडियो कॉन्फ्रेंस में बातचीत कर एक स्थान से दूसरे स्थान जाने का खर्च बचा सकते हैं।

5 राष्ट्रीय आय →
देश की घरेलू सीमा के भीतर उपस्थित सभी संसाधनों से उत्पादित अंतिम वस्तु व सेवाओं से प्राप्त आय ही, राष्ट्रीय आय कहलाती है।

6 भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च होती है।

BSER-164/2018

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

7 प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधियों में कृषि व पशुपालन व खनन आदि को सम्मिलित किया गया है।

8 <u>सामान्य कीमत स्तर →</u>
सामान्य कीमत स्तर से तात्पर्य किसी वस्तुओं के समूह के औसत कीमत स्तर से है न कि किसी वस्तु के कीमत स्तर से।

9 <u>बेरोजगारी →</u>
जब किसी रोजगार इच्छुक व योग्य व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार रोजगार नहीं मिल पाता है, तो वह अवस्था बेरोजगारी कहलाती है।

10 भारत में गरीबी मापन का सर्वप्रथम प्रयास दादाभाई नौरोजी ने 1868 में किया।

11 एक जागरूक नागरिक के रूप में हम उच्च न्यायालय से हम निम्न स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते हैं →

i) लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जानेवाले मीडिया को पूर्ण रूप से सरकार की नीतियों का विश्लेषण कर उन्हें जनता तक निष्पक्ष पहुंचाने की स्वतंत्रता।

ii) देश व राज्य के सभी वर्गों को राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ रोजगार के अवसर प्रदान किये जा[एँ] जिससे रोजगार से वंचित वर्गों को रोजगार मिले।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

12 टाँका →

टाँका राजस्थान के सामान्यतः प्रत्येक घर में मिल जाता है। इसका निर्माण घरों के आंगन में 4-5 मी. गहरा गड्ढा खोदकर किया जाता है। इसमें वर्षा जल को छतों के माध्यम से संग्रहित किया जाता है। टाँके का निर्माण 'मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन परियोजना' के अंतर्गत किया जा रहा है।

13 व्यावसायिक फसले →

जिन फसलों का उत्पादन व्यवसाय में उपयोग के लिए किया जाता है तथा उद्योग मे जिनका उपयोग कच्चे माल के रूप में किया जाता है, उन्हें व्यावसायिक फसलें कहते हैं।

व्यावसायिक फसल के चार उदाहरण → कपास, गन्ना, सरसों व जूट आदि।

14 धात्विक खनिज के प्रकार →

धात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं →

i) लौह धातु प्रधान खनिज →

वे धात्विक खनिज जिनमें कुछ निश्चित मात्रा लौह अंश की मात्रा पाई जाती है, लौह धातु प्रधान खनिज कहलाते हैं।

उदाहरण → लौह अयस्क, कोबाल्ट आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ii) अलौह धातु प्रधान खनिज → वे धात्विक खनिज जिनमें लौह अंश की निश्चित मात्रा नहीं पायी जाती है, अलौह धातु प्रधान खनिज कहलाते हैं।
जैसे → ताँबा, चाँदी, सोना आदि।

15 भारत में औद्योगिक प्रदूषण से होने वाले कोई दो प्रभाव निम्न हैं →
i) औद्योगिक प्रदूषण से होने वाले जल प्रदूषण से जलीय जीवों के अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया।
ii) उद्योगों में चलने वाली मशीनों व यातायात वाहनों की तीव्र ध्वनि से मानव स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव हो रहा है।

16 जन्म दर → किसी क्षेत्र विशेष में प्रति हजार व्यक्तियों पर जन्म लेने वाले शिशुओं की दर, जन्म दर कहलाती है। यह जनसंख्या को प्रभावित करने वाला प्रमुख घटक है।

मृत्यु दर → किसी क्षेत्र विशेष में प्रति हजार व्यक्तियों प मृत्यु को प्राप्त होने वाले व्यक्तियों की दर, मृत्यु दर कहलाती है। यह जनसंख्या को प्रभावित करने वाला प्रमुख घटक है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

17 भारत में पाइप लाईन परिवहन →

भारत में पाइप लाइन परिवहन का विस्तृत जाल है। पहले इसका प्रयोग जल परिवहन हेतु होता था परतु अब इसका प्रयोग पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस खनिज आदि को तरल रुप में भेजने के लिए होता है। पाइप लाईन परिवहन की प्रारम्भ में लागत अधिक है, परंतु बाद में ये बहुत उपयोगी है। इसी के कारण मथुरा व बरौनी जैसे स्थानों पर प्राकृतिक गैस आधारित कारखाना चलना संभव हुआ है।

18 सड़क पर चलते समय हम निम्न बातों का ध्यान रखेगें →

i) सड़क पर हम सदा बाँई ओर चलेंगे।
ii) सड़क किनारे पैदल पथ होने पर उसका उपयोग करेंगे।
iii) रास्ता सदा दाँए व बाँए देखकर जेबरा क्रॉसिंग से पार करेंगे।
iv) सड़क पर वाहनों पर ध्यान देकर चलेंगे।

19 ठोस कचरा कार्य प्रबंधन →

ठोस कचरा कार्य प्रबंधन के अंतर्गत ठोस कचरे में से जैव निम्नीकरणीय कचरे को जैविक खाद बनाने के लिए उपयोग में लिया जाता है। पुनः उपयोगी कचरे को छाँटकर उसका पुनर्चक्रण करना। ठोस कचरे को जमीन में दबाकर उससे बायो गैस का उत्पादन करना व ठोस कचरे को विभिन्न वर्गों में बाँटकर उसका उचित प्रबंधन करना सम्मिलित है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

20 अगर हम हम्मीर देव चौहान के स्थान पर होते तो हम भी अलाउद्दीन खिलजी के बागियों के प्रति वहीं नीति अपनाते जो हम्मीर देव द्वारा अपनाई गई है अर्थात हम उसके बागियों को शरण प्रदान करते क्योंकि हमारी भारतीय संस्कृति में शरण में आए हुए व्यक्ति को सुरक्षा प्रदान करना अपना धर्म व कर्तव्य माना जाता है। हम्मीर देव चौहान ने भी शरणागत रक्षा को अपना परम धर्म मानकर उनके लिए शरण दी व उनकी रक्षा के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर कर दिए किन्तु अपने देश के धर्म व गौरव को उन्हें ध्वस्त नहीं होने दिया। अतः हम भी उन्हीं की तरह शरणागत रक्षा में अपने प्राण तक न्यौछावर कर देते।

21 मौर्यकालीन प्रशासन से ही देश में पहली बार लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का उदय हुआ इसके विषय में विवरण निम्न प्रकार है →

i) राजा →

राज्य में राजा सर्वोच्च पद पर आसीन होता था परंतु वह निरंकुश नहीं होता था। उसे सभी शक्तियाँ प्राप्त थी। चाणक्य ने राज्य के सात अंग बताये हैं — राजा, मित्र, दुर्ग, कोश, सेना, जनपद आदि।

ii) अमात्य →

सुविधा की दृष्टि से केन्द्र को विभिन्न भागों में बाँटा गया था, जिन्हे अमात्य कहा जाता है। प्रमुख

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अमात्य युवराज, सेनापति व पुरोहित होते थे।

iii) समाहर्ता व सन्निधाता → समाहर्ता आय-व्यय का ब्यौरा रखता था व सन्निधाता कोषागृह व अन्नागारों का निर्माण करवाता था।

इस प्रकार मौर्यकालीन केन्द्रीय व्यवस्था सुनियोजित ढंग से थी।

22 इटली के एकीकरण में मैजिनी का योगदान → मैजिनी इटली के जनांदोलन का मसीहा था। इसने युवा इटली संगठन की स्थापना की। इसका मानना यह था कि अगर इटली को स्वतन्त्रता प्राप्त करनी है तो उसकी जिम्मेदारी उसे युवाओं के हाथ में सौंप देनी चाहिए। मैजनी ने तीन नारे दिए →

i) ईश्वर में आस्था
2) हम सभी भाई एक हैं
3) ईटली की स्वतंत्रता।

उसने ईटली की जनता में मातृभूमि के प्रति अपनत्व में प्रेम का भाव भर दिया है। उसने ईटली की स्वतंत्रता में मुख्य भूमिका निभाई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

23. सामाजिक लोकतंत्र →

वह लोकतंत्र जिसमें व्यक्ति की सामाजिक समानता व स्वतंत्रता पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिसका मूल आधार सामाजिक समानता है, उसे सामाजिक लोकतंत्र कहा जाता है।

सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना के लिए निम्न दशाएँ आवश्यक है →

i) व्यक्ति एक सामाजिक प्राणी है अतः समाज में व्यक्तियों में लिंग, जाति, धर्म, वर्ग आदि के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

ii) समाज प्रत्येक व्यक्ति समान अधिकार व रोजगार के समान अवसर प्राप्त होने चाहिए।

24 "भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है" इस संदर्भ तर्क निम्न प्रकार हैं →

i) शिक्षा का सुधरता स्थिर स्तर →

भारत में अब भारतीय शिक्षा के स्तर में सुधारात्मक परिवर्तन हुआ है। स्वतंत्रता के समय जो अर्थव्यवस्था निम्न साक्षरता दर के साथ थी वर्तमान में वह 74.04% है जो सुधार का प्रतीक है।

ii) सुधरता जीवन स्तर →

वर्तमान में भारत में स्वास्थ्य

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परियोजनाएँ व्यापक स्तर पर चलायी जा रही है जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार आ रहा है व शिशु व बाल मृत्यु दर में भी कमी आई है। भारत में जीवन प्रत्याशा 68 वर्ष है।

iii) कार्यक्षेत्र का बदलता स्वरूप →
स्वतंत्रता के समय देश के आधे से अधिक लोग कृषि पर निर्भर थे परंतु वर्तमान में हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान का आधे से भी अधिक उद्योग व सेवा क्षेत्र से प्राप्त हो रहा है। जो अर्थव्यवस्था के विकास का प्रतीक है।

iv) तकनीकी उपयोग व कौशल में वृद्धि →
कहा जाता है कि जब देश तकनीकी रूप से पिछड़ा न हो तो अधिक उन्नति करता है। भारत में तकनीकी उपयोग में वृद्धि हो रही है व भारत में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कौशल को बढ़ावा मिल रहा है जो उसकी उन्नति का सूचक है।

25 मुद्रा →
मुद्रा वह है जिसका उपयोग विनिमय के साधन के रूप में करने की सर्वसम्मति प्राप्त होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो मुद्रा वह है जिसमें क्रय शक्ति का स्थाई निवास होता है।

या

मुद्रा वह है जो मुद्रा का कार्य करे- फ्रीडमैन के शब्दों में।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मुद्रा के कार्य निम्न प्रकार है →

i) संपत्ति के संचय का साधन →

हम संपत्ति का मुद्रा के रूप मे संचित करके आसानी से रख सकते है क्योंकि मुद्रा एक तरल संपत्ति है।

ii) विनिमय का साधन →

मुद्रा विनिमय का सर्वोपयुक्त साधन होती है क्योंकि हस्तांतरण में कठिनाई नहीं होती है और इसे सर्वसम्मति प्राप्त होतीहै।

iii) अर्थव्यवस्था में योगदान →

मुद्रा अर्थव्यवस्था मेंमहत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह बैंको का ऋण प्रदान करने का साधन होती है।

26 उपभोक्ता शोषण के चार कारण निम्न हैं →

i) उपभोक्ता द्वारा वस्तु की पूरी जानकारी जैसे, उसका मूल्य, वजन, खराब होने की जानकारी आदि दुकानदार से न लेने पर।

ii) उपभोक्ता द्वारा वस्तु का उचित बिल न लिए जाने पर भी उसका शोषण होता है।

iii) अशिक्षा के कारण धोखाधड़ी होने पर उचित स्थान पर शिकायत ~~करन~~ करना।

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) उपभोक्ता का नियमों के प्रति जागरूक न होना।

27 भारतीय आंदोलन में श्यामजी कृष्ण वर्मा व विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका निम्न प्रकार है। →

i) श्यामजी कृष्ण वर्मा →

श्याम जी कृष्ण वर्मा एक सच्चे देशभक्त थे इन्होंने विदेश में भारतीय हाऊस की स्थापना की जो भारतीयों के मिलने का केन्द्र था। धीरे-2 वह स्थान, जो लंदन में स्थित था लंदन के भारतीय क्रान्तिकारी को केन्द्र बन गया श्याम जी कृष्णवर्मा लंदन से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने लगे। इस भारतीय हाऊस के द्वारा भी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के समय मुख्य भूमिका निभाई गई।

ii) विनायक दामोदर सावरकर →

ये भारतीय वीर क्रांतिकारी थे। इन्होंने अंग्रेजों का सामना करने के लिए 'युवा भारत' नामक संगठन बनाया था इन्होंने एक पुस्तक लिखी जिसमे देशभक्ति की बातें थीं अतः इसे ब्रिटिश सरकार द्वारा निषेध कर दिया गया। इन्होंने 1857 के संग्राम को भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा। इन्होंने भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में भी मुख्य भूमिका निभाई। ब्रिटिश सरकार ने इन्हे ब्रिटिश विरोधी कार्यों के लिए जेल की सजा दी। इन्हें अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह की सेलुलर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जेल में रखा गया लेकिन बाद में इन्हें छोड़ दिया गया। इन्होंने भारत विभाजन के समय में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

28 राष्ट्रपति भारत में संसदीय शासन व्यवस्था के अनुसार सर्वोच्च नेता होता है उसकी शक्तियों को निम्न प्रकार बताया जा सकता है →

[कार्यपालिका शक्ति]

i) महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति → राष्ट्रपति के द्वारा महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाती है जैसे → प्रधानमंत्री व उसकी सलाह से मंत्रिपरिषद, केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, महालेखापाल आदि

ii) सेना का सर्वोच्च सेनापति → संवैधानिक रूप से राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का सर्वोच्च सेनापति होता है, इन शक्तियों का प्रयोग वह कानून में रहकर करता है।

iii) वैदेशिक क्षेत्र में शक्ति → राष्ट्रपति विदेशों में भारत का प्रतिनिधित्व करता है। सभी समझौते उसी के नाम से किये जाते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iv) शासन संचालन संबंधी शक्ति →

राष्ट्रपति शासन क्षेत्र में मंत्रियों के नियुक्त संबंधी व अन्य नियम बना सकता है।

[विधायी शक्ति]

इस क्षेत्र में भी राष्ट्रपति को विभिन्न शक्तियाँ प्रदान की गई हैं जो निम्न हैं →

i) अध्यादेश जारी करने की शक्ति →

जब लोकसभा का अधिवेशन न चला रहा हो, तो राष्ट्रपति अध्यादेश जारी करने की शक्ति रखता है। जिसे लोकसभा समय से पूर्व भी भंग कर सकती है।

ii) लोकसभा का अधिवेशन →

राष्ट्रपति को लोकसभा का अधिवेशन बुलाने व स्थगित करने की शक्ति प्राप्त है। राष्ट्रपति लोकसभा व राज्यसभा की संयुक्त बैठक को 'अधिवेशन प्रारम्भ' संबोधित करता है।

iii) निर्वाचन संबंधी अधिकार →

राष्ट्रपति को लोकसभा के २ आँग्ल भारतीय समुदाय के सदस्य व राज्यसभा में १२ सदस्यों का मनोनयन करने का अधिकार प्राप्त है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

29 भारत की न्यायपालिका में उच्चतम न्यायालय के बाद दूसरा स्थान उच्च न्यायालय का होता है इसकी शक्तियाँ व क्षेत्राधिकार निम्न प्रकार है →

i) प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार →
उच्च न्यायालय संसद व विधान मण्डल के मध्य हुए विवादों का निवारण करती है।

ii) अपीलीय क्षेत्राधिकार →
उच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार निम्न है →

A) संवैधानिक अपीलीय क्षेत्राधिकार →
ऐसा कोई विवाद जिसमे संविधान की व्याख्या संबंधी प्रश्न हो उस पर निर्णय उच्च न्यायालय देती है।

B) दीवानी अपीलीय क्षेत्राधिकार →
इसमे आय, पेरोल संबंधी मामले सुलझाये जाते है।

C) उच्च न्यायालय में ऐसे व्यक्ति की, जिसे निचली अदालत ने मृत्यु दण्ड दिया हो, उसकी अपील की जा सकती है।

नामांक Roll No.

1	4	6	6	0	8	2

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2018
SECONDARY EXAMINATION, 2018
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

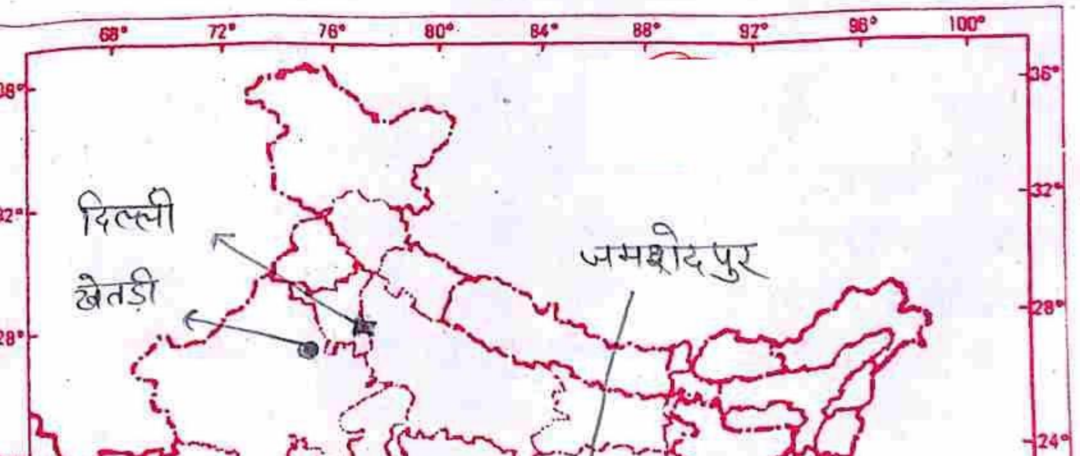

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अभिलेख न्यायालय →

उच्च न्यायालय अभिलेख न्यायालय के तौर पर कार्य करेगा। इसके निर्णय निचली अदालतों में कानून की तरह उपयोग में लिए जाएँगे और अगर उसकी कोई अवहेलना करता है तो उसे दण्ड दिया जाएगा।

न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति →

उच्च न्यायालय को यह अधिकार है कि वह विधान सभा द्वारा बने ऐसे किसी कानून को अवैध घोषित कर सकता है जिसमें संविधान की अवहेलना को।

30 मानचित्र →

(अ) खेतड़ी
(ब) दिल्ली
(स) जमशेदपुर
(द) पारादीप
(य) हीराकुण्ड परियोजना

समाप्त